वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 19 | गुरुवार 18 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महाराणा प्रताप जयंती पर सम्मान समारोह आयोजित

छत्रपति शिवाजी और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता: बागड़े

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा और बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने महाराणा प्रताप जयंती पर बुधवार को क्षत्रिय समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता। उन्होंने कहा कि दोनों ने ही मुगल आक्रांताओं को अपनी वीरता, साहस और शौर्य से उनके इरादों में नाकाम किया। राज्यपाल ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगल सेना को हतोत्साहित किया और बाद में सुनियोजित हमला करके दिवेर के युद्ध में अकबर की सेना से आत्मसमर्पण करवाया। महाराणा प्रताप देश के पहले ऐसे स्वाधीनता सेनानी थे जिन्होंने मातृभूमि के लिए निरंतर लड़ाइयाँ लड़ी और अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए हमें गौरवान्वित किया। राज्यपाल ने कहा कि अकबर ने सीधे महाराणा प्रताप से युद्ध नहीं किया बल्कि राजा मानसिंह को युद्ध के लिए भेजा। महाराणा प्रताप की सेना बीस हजार के लगभग थी और अकबर की सेना एक लाख के करीब थी। चार गुना सेना अधिक होने के बावजूद महाराणा प्रताप ने अदम्य साहस का परिचय दिखाते हुए इस युद्ध में मुगल सेना को धूल चटाई।

प्रताप नैतिक और स्त्री अस्मिता में विश्वास रखने वाले महान शासक थे

राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप नैतिक और स्त्री अस्मिता में विश्वास रखने वाले महान शासक थे। जब उनके पुत्र अमरसिंह ने मुगल सेनापति अब्दुल रहिम खान ए-खाना के परिवार की महिलाओं को बंदी बनाया तो प्रताप ने कड़ा विरोध किया और उन बेगमों को पूरे सम्मान के साथ वापिस भिजवाया। मातृभूमि के लिए किया गया उनका संघर्ष उनके अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम की ही कहानी है। उनकी सेना में केवल राजपूत ही नहीं, बल्कि भील जनजाति, जाट और अन्य जातियों के योद्धा भी शामिल थे। भील सरदार राणा पूंजा उनकी सेना के प्रमुख स्तंभ थे। बागड़े ने कहा कि महाराणा प्रताप की जन्म-जयंती हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए जीवन में अन्याय और अनैतिकताओं से लड़ने की प्रेरणा देने वाली है।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने लोकभवन में अपने प्रिय घोड़े चेतक के साथ चट्टान पर बैठे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा नमन किया। बागड़े ने इस दौरान कहा कि महाराणा प्रताप अदम्य साहस और वीरता के मातृभूमि के सच्चे रक्षक थे। माँ भारती के गौरव के लिए उन्होंने राज पाट ही नहीं छोड़ा बल्कि मुगलों को सदा सदा के लिए मेवाड़ से खदेड़ा। उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मां भारती के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप को पुष्पांजलि अर्पित की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराणा प्रताप जंयती के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप स्वाभिमान, समर्पण और राष्ट्र चेतना के शाश्वत प्रतीक है। उनका त्याग, शौर्य एवं पराक्रम युगों-युगों तक राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सभी महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज एवं देश-प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जयपुरिया अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को जयपुरिया अस्पताल के रक्तदान शिविर पहुंचे। उन्होंने महाराणा प्रताप जयंती पर रक्तदान शिविर के आयोजन की सराहना की और रक्तदाताओं को सम्मानित कर प्रमाणपत्र भी दिए। उन्होंने इस दौरान रक्तदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित भी किया। राज्यपाल ने रक्तदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जरूरतमंदों को सटीक उपचार की दिशा में यह सबसे बड़ा दान है। उन्होंने इससे जुड़े तकनीकी कर्मियों और चिकित्सकों के कार्य की सराहना करते हुए रक्तदान शिविरों में आम जन की अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री और विधायक कालीचरण सराफ भी उपस्थित रहे।

मानव सेवा ही सर्वोत्तम सेवा

130 जरूरतमंदों को वितरित किए नए वस्त्र

''आओ खुशियां बांटें'' अभियान के तहत लायंस क्लब अजमेर आस्था की निरंतर सेवा

अजमेर. शाबाश इंडिया। विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की स्थानीय इकाई लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा जरूरतमंद एवं पीड़ित परिवारों की निरंतर सेवा की जा रही है। इसी क्रम में क्लब ने ''आओ खुशियां बांटें'' अभियान के अंतर्गत अजमेर जिले की पीसांगन तहसील के ग्राम नागेलाव स्थित मेघवंशी मोहल्ला, साईं मोहल्ला एवं बालाजी मंदिर बस्ती में जरूरतमंद लोगों के बीच नए वस्त्रों का वितरण किया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग तथा लायन अतुल पाटनी के संयोजन में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के तहत शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, हाफ पैंट, सलवार-सूट सहित विभिन्न प्रकार के नए वस्त्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान 130 से अधिक जरूरतमंद लोगों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर लायन मुकेश कर्णावट ने कहा कि लायंस क्लब अजमेर आस्था का उद्देश्य सेवा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के जीवन में खुशियां लाना है। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता और सहयोग से ही इस प्रकार के सेवा कार्य सफल हो पाते हैं। क्लब भविष्य में भी मानव सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम सरपंच सुआलाल, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सत्यनारायण लखारा, संपत प्रजापति, पारसमल गोदा, सदीक भाई, गणपत लक्षकार, अध्यापक चंद्र प्रकाश चौहान तथा चित्रेश चौहान का विशेष सहयोग रहा। वस्त्र प्राप्त कर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने लायंस क्लब अजमेर आस्था एवं सहयोगी भामाशाहों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

YOGAPEACE SANSTHAN
From health to happiness...
Jaipur Runners

योगापीस संस्थान • अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन जिला जयपुर • जयपुर रनर्स क्लब
के संयुक्त तत्वावधान में
रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ • लॉयन्स क्लब District 3233 E-1 • जैन सोश्यल ग्रुप सेन्ट्रल संस्थान
के सहयोग से
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित

Powered By VASUDHA
Presented By Kabira It's Handmade
Powered By SHAKTI SGM Outdoors

आनंदम् योग शिविर

शनिवार 20 जून, 2026 • प्रातः 5:30 से 7:30 बजे तक • स्थानः महावीर स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर

आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

योगाचार्य ढाकाराम
योगापीस संस्थान
के मार्ग दर्शन में

प्रेषक

रोटे./लॉयन सुधीर जैन गोधा
मो.: 9829012639
अध्यक्ष एवं कार्यक्रम चैयरमेन

सीए संजय पाबुवाल
मो.: 9829015668
महासचिव

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फैडरेशन जिला जयपुर

प्रवीण तिजारिया
मो.: 8290300000
अध्यक्ष

मुकेश मिश्रा
मो.: 9829227883
को-फाउण्डर

जयपुर रनर्स क्लब

लॉयन डॉ. आशुतोष वशिष्ट
मो.: 9414784394
प्रान्तपाल (2026-27)
लॉयन्स क्लब District 3233 E-1

रोटे. अनिल जैन
मो.: 9530297446
अध्यक्ष
रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ

सुरेश जैन
मो.: 9782655515
अध्यक्ष
जैन सोश्यल ग्रुप सेन्ट्रल संस्थान

आशीष कोठारी
मो.: 7014909091
अध्यक्ष
अर्हम हैल्थ सॉल्युशन

कृपया कार्यक्रम उपरान्त हमारे साथ नाश्ता करें

भगवान महावीर के जयकारों के बीच रवाना हुआ 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल

यात्री करेंगे भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार का प्रचार-प्रसार, सम्मेद शिखर जी में होगी 27 किलोमीटर की पैदल पर्वत वंदना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन संस्कृति की रक्षा एवं धर्म प्रभावना के उद्देश्य से वर्ष 1986 में स्थापित श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा बुधवार को भट्टारक जी की नसियां से भगवान महावीर के जयकारों के बीच रवाना हुई। यह यात्रा 17 से 28 जून तक विभिन्न सिद्ध एवं तीर्थ क्षेत्रों का भ्रमण करेगी। संघ के संरक्षक सुभाष चंद जैन एवं धार्मिक यात्रा के मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया के नेतृत्व में 132 यात्रियों को लेकर तीन वातानुकूलित बसें वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर महाराज की जन्मस्थली कोसमा के लिए रवाना हुईं। प्रचार-प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व भट्टारक जी की नसियां स्थित जिनालय में सामूहिक देवदर्शन एवं मंगल प्रार्थना का आयोजन किया गया। इसके बाद संघ के पदाधिकारियों एवं यात्रा संयोजकों का तिलक एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। श्रीजी की सामूहिक मंगल आरती के उपरांत गणमान्य अतिथियों ने जैन ध्वज दिखाकर यात्रा दल को रवाना किया। इस अवसर पर एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, उमराव मल संघी, महेश काला, ज्ञानचंद झांझरी, प्रदीप जैन, सुभाष चंद जैन जौहरी, राजीव पाटनी, मनीष बैद, यशकमल अजमेरा, राजेश बड़जात्या, अशोक कुमार गोधा, डॉ. पी.सी. जैन, कमल वैद, अमरचंद पाटोदी, सोभागमल जैन एवं विमल छाबड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने यात्रियों को शुभकामनाएं दीं। संरक्षक सुभाष चंद जैन ने कहा कि यह धार्मिक यात्रा भक्ति, साधना, तीर्थदर्शन और आत्मिक उन्नति का अनुपम संगम होगी। मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया ने बताया कि कोसमा में रात्रि विश्राम के बाद नवग्रह दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा और पूजा-अर्चना होगी। साथ ही जैन धर्म के 15वें तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर 15 किलो का निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा। यात्रा दल इसके बाद प्रभाषगिरि (कौशांबी), सर्वोच्च सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी, मंदारगिरि, चंपापुर, पावापुरी जल मंदिर, कुंडलपुर, नालंदा, राजगिरि, भद्दलपुर, कोल्हुआ पहाड़, अयोध्या, अहिच्छेत्र पार्श्वनाथ और मथुरा चौरासी सहित विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन करेगा। सम्मेद शिखर जी में 20 और 21 जून को 24 टोंकों की 27 किलोमीटर की सामूहिक पैदल पर्वत वंदना भी की जाएगी। संयोजक अमरचंद दीवान एवं सुनील चौधरी ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा-अर्चना, पर्वत वंदना, मुनि प्रमाण सागर महाराज ससंघ एवं गणिनी प्रमुख आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी ससंघ सहित अन्य संतों के दर्शन एवं प्रवचन लाभ प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक एवं देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

भगवान चंद्रप्रभु की वृहद शांतिधारा कर अर्घ्य समर्पित किए

"आपके अंदर का आत्मविश्वास ही आपकी सफलता है" : गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री

टोंक. शाबाश इंडिया

चतुर्भुज तालाब के पास स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसियां में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ के पावन सानिध्य में बुधवार को भगवान चंद्रप्रभु स्वामी का अभिषेक एवं रजत झारी से वृहद शांतिधारा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में अर्घ्य समर्पित कर धर्मलाभ प्राप्त किया। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातःकाल क्षीरसागर से जल लाकर विधि-विधान एवं ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान चंद्रप्रभु स्वामी का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा संपन्न हुई। इस अवसर पर सुरेंद्र जयपुरिया, महावीर पाटनी, खेमचंद बिलासपुरिया, निर्मल जयपुरिया, राकेश जैन, बल्लू जैन, निक्कू जैन, मनोज जैन, अमित जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसके पश्चात भगवान चंद्रप्रभु, भगवान महावीर, भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान आदिनाथ की पूजा-अर्चना कर श्रीफल एवं अर्घ्य समर्पित किए गए। श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन तेरापंथ ट्रस्ट के महामंत्री महावीर पाटनी ने बताया कि आयोजित धर्मसभा में गुरु मां के पाद-प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य अशोक कुमार, राकेश कुमार एवं प्रियांशु जैन बिलासपुरिया परिवार को प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ने कहा कि किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने की पहली सीढ़ी विश्वास की शक्ति है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को हर परिस्थिति में सफलता के बारे में सोचना चाहिए, असफलता के बारे में नहीं। कठिन समय में भी यह विश्वास बनाए रखना चाहिए कि वह विजयी होगा। उन्होंने कहा, आपके अंदर का आत्मविश्वास ही आपकी सफलता है। इसके बाद आर्यिका संघ की आहारचर्या कमल कुमार एवं विमल कुमार जैन बिलासपुरिया परिवार के यहां संपन्न हुई। दोपहर में तत्वार्थ सूत्र पर आधारित स्वाध्याय सभा आयोजित की गई, जबकि सायंकाल आनंद यात्रा, शंका समाधान एवं गुरु मां की मंगल आरती का आयोजन हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन जयपुरिया ने बताया कि शुक्रवार को गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ के सानिध्य में श्रुत पंचमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रातः पांच मंदिर, पुरानी टोंक से निवाई दरवाजा होते हुए विशाल शोभायात्रा चंद्रप्रभु नसियां पहुंचेगी। शोभायात्रा में घोड़े, बैंड-बाजा, ढोल, भांगड़ा, वर्धमान पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा केसरिया ध्वज, महिलाओं द्वारा मंगल कलश एवं भगवान की तस्वीरों के साथ जिनवाणी माता की रजत जड़ित पालकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। नसियां पहुंचने पर अभिषेक, शांतिधारा, जिनवाणी माता पूजन, मंगल प्रवचन एवं नवीन कुएं के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रुत पंचमी के अवसर पर "शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता" का आयोजन भी होगा, जिसमें श्रेष्ठ पांच प्रतिभागियों को समाज की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

राजनीति

भारत में रसोई गैस की कीमतों पर नियंत्रण जरूरी

नंतू बनर्जी

घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी आम उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कीमतें बढ़ाने का रास्ता चुना है, जबकि इसका सीधा असर देश के लगभग 33.7 करोड़ सक्रिय एलपीजी उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यह तब है जब वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी तेल कंपनियों ने संयुक्त रूप से 77,280 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 130 प्रतिशत अधिक है। अकेले इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने 36,802 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया। 7 जून से 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की वृद्धि की गई। तीन महीनों के भीतर यह दूसरी बढ़ोतरी है और इस वर्ष अब तक कुल बढ़ोतरी 89 रुपये प्रति सिलेंडर तक पहुंच चुकी है। दूसरी ओर, पेट्रोलियम क्षेत्र से सरकार को करों और शुल्कों के रूप में लगभग चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। ऐसे में उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं लगता। दुनिया के कई तेल उत्पादक देश, जैसे सऊदी अरब, ईरान, वेनेजुएला, लीबिया और मलेशिया, अपने नागरिकों को वैश्विक मूल्य वृद्धि के प्रभाव से बचाने के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस पर भारी सब्सिडी देते हैं। ईरान और वेनेजुएला में ईंधन की कीमतें दुनिया में सबसे कम मानी जाती हैं, जबकि सऊदी अरब हर वर्ष अरबों डॉलर की सब्सिडी देकर घरेलू ऊर्जा लागत को नियंत्रित रखता है। मलेशिया भी अपने लोकप्रिय ईंधन पर व्यापक सब्सिडी उपलब्ध कराता है, हालांकि हाल के वर्षों में वित्तीय दबाव कम करने के लिए इसकी सीमा तय की गई है। इसके विपरीत, भारत में प्रत्यक्ष ईंधन और गैस सब्सिडी का दायरा सीमित होता जा रहा है। उज्ज्वला योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सहायता मिलती है, लेकिन यह सुविधा अब वर्ष में केवल चार सिलेंडरों तक सीमित है। योजना का लाभ भी केवल पात्र बीपीएल परिवारों को मिलता है, जबकि देश की बड़ी आबादी बढ़ती गैस कीमतों का पूरा बोझ स्वयं वहन कर रही है।

संपादकीय

क्या ठाकरे गुट फिर टूट जाएगा?

देश की राजनीति में इन दिनों लगातार उथल-पुथल देखने को मिल रही है। आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दलों में मतभेदों की चर्चाओं के बीच अब महाराष्ट्र की राजनीति भी एक बार फिर गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में संभावित विभाजन की अटकलों ने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। चर्चा है कि 14 से 16 विधायक और 6-7 सांसद पार्टी छोड़ सकते हैं। यदि ऐसा

होता है, तो यह 2022 की उस बड़ी राजनीतिक बगावत की याद दिलाएगा, जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के विद्रोह से उद्धव सरकार गिर गई थी। हाल के दिनों में घटनाक्रम तेजी से बदला है। उद्धव ठाकरे ने 'मातोश्री' पर सांसदों की बैठक बुलाई, जिसमें नौ में से केवल चार सांसद प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, जबकि अन्य वर्चुअली जुड़े। कुछ सांसदों की अनुपस्थिति ने राजनीतिक अटकलों को और बल दिया। सूत्रों के अनुसार, कुछ सांसद दिल्ली में शिंदे गुट या एनडीए नेताओं के संपर्क में हैं। शिवसेना के वर्धापन दिवस (19 जून) से पहले संभावित राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं तेज हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि कुछ सांसदों को पार्टी छोड़ने के लिए करोड़ों रुपये के प्रलोभन दिए जा रहे हैं। वहीं, सांसद राजाभाऊ वाजे ने कथित रूप से ऐसे प्रस्ताव को ठुकराकर पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति उद्धव गुट की संगठनात्मक चुनौतियों से भी जुड़ी हुई है। सत्ता से बाहर रहने के कारण कई जनप्रतिनिधि विकास कार्यों, स्थानीय राजनीति और संसाधनों की कमी को लेकर असहज महसूस कर रहे हैं। यदि लोकसभा में दो-तिहाई सांसद अलग होने का निर्णय लेते हैं, तो दल-बदल कानून के तहत उनके लिए कानूनी रास्ता अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। स्थानीय निकाय और आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह संभावित फूट राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यदि बड़ी संख्या में सांसद और विधायक शिंदे गुट में शामिल होते हैं, तो एनडीए की राजनीतिक स्थिति और मजबूत हो सकती है। दूसरी ओर, उद्धव ठाकरे ने स्पष्ट कहा है कि जो जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्ठा और संघर्ष ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। यह पूरा घटनाक्रम शिवसेना की मूल विचारधारा पर भी सवाल खड़े करता है। बाल ठाकरे ने मराठी अस्मिता, हिंदुत्व और क्षेत्रीय स्वाभिमान के आधार पर पार्टी की नींव रखी थी। 2022 के विभाजन के बाद दोनों गुट स्वयं को 'असली' शिवसेना बताते रहे हैं। शिंदे गुट भाजपा के साथ गठबंधन को मूल विचारधारा की वापसी बताता है, जबकि उद्धव गुट अपने राजनीतिक फैसलों को परिस्थितिजन्य आवश्यकता मानता है। हालांकि, अभी तक किसी आधिकारिक विभाजन की पुष्टि नहीं हुई है और कई खबरें केवल अटकलों पर आधारित हैं। ऐसे में अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कैसे बढ़ाएं शिक्षा में गुणवत्ता?

डॉ. वरिंदर भाटिया

आज की तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा की गुणवत्ता का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। शिक्षा केवल परीक्षा पास करने या डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने का आधार है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा वही है जो विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ सोचने, समझने, निर्णय लेने और समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करे। शिक्षा में गुणवत्ता का अर्थ केवल आधुनिक भवन, डिजिटल कक्षाएं या उन्नत तकनीक नहीं है। इसका वास्तविक आधार प्रशिक्षित और प्रेरणादायी शिक्षक, प्रासंगिक पाठ्यक्रम, प्रभावी शिक्षण पद्धति तथा समान अवसर हैं। जब शिक्षा समाज की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप होती है, तभी वह वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बनती है। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा छात्रों, अभिभावकों और समाज में विश्वास पैदा करती है। इससे माता-पिता आश्वस्त होते हैं कि उनके बच्चे बेहतर भविष्य के लिए तैयार हो रहे हैं, वहीं नियोक्ताओं को कुशल और सक्षम मानव संसाधन मिलता है। इसके विपरीत, कमजोर शिक्षा व्यवस्था डिग्री और प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता को कम कर देती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा रटने की संस्कृति से आगे बढ़कर जिज्ञासा, नवाचार और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है। यह विद्यार्थियों को केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि उसे व्यवहारिक जीवन में उपयोग करने की क्षमता भी प्रदान करती है। यही कारण है कि अच्छी शिक्षा गरीबी और असमानता के चक्र को तोड़ने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। समान अवसर मिलने पर वंचित वर्गों के छात्र भी अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ सकते हैं। शिक्षा का प्रभाव केवल विद्यालय या महाविद्यालय तक सीमित नहीं रहता। अच्छी शिक्षा व्यक्ति को जिम्मेदार नागरिक बनाती है, पेशेवर जीवन में दक्षता बढ़ाती है और समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा देती है। इसलिए शिक्षा में गुणवत्ता से समझौता करना किसी भी राष्ट्र के भविष्य से समझौता करने के समान है। इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। एक समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को नई दिशा दे सकता है। साथ ही, अभिभावकों, समुदाय और नीति-निमार्ताओं की सक्रिय भागीदारी भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती है। हालांकि, गुणवत्ता प्राप्त करना आसान नहीं है। सीमित संसाधन, पुराने पाठ्यक्रम, शहरी-ग्रामीण असमानता और परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था आज भी बड़ी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर सुधार, प्रभावी नीतियां और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। शिक्षा प्रणाली को समय-समय पर पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों और मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा करनी चाहिए ताकि वह बदलती दुनिया के अनुरूप बनी रहे। तकनीक भी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है। ऑनलाइन लर्निंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और स्मार्ट टूल्स ने सीखने के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इनका प्रभाव तभी सार्थक होगा जब उनका उपयोग सोच-समझकर और संतुलित तरीके से किया जाए। अंततः शिक्षा में गुणवत्ता कोई एक बार हासिल कर लेने वाला लक्ष्य नहीं, बल्कि निरंतर सुधार की संस्कृति है। इसके लिए शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों और सरकार को मिलकर काम करना होगा। हर बच्चे को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, यही एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रेमलता सोनी के राजस्थानी उपन्यास 'खाड्डा पार्किंग' पर हुई सार्थक चर्चा

संवादों की जादूगरी और जीवन-दर्शन से भरपूर है 'खाड्डा पार्किंग'

जयपुर. शाबाश इंडिया। जीवन के ऊबड़-खाबड़ रास्तों, संघर्षों, ठहरावों और उम्मीदों को अपने कथानक में समेटे प्रेमलता सोनी के चर्चित राजस्थानी उपन्यास ''खाड्डा पार्किंग'' पर मानसरोवर स्थित एक कम्युनिटी हॉल में आयोजित साहित्यिक गोष्ठी में साहित्यकारों और पाठकों ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। श्री सूर्यप्रकाश बिस्सा स्मृति महिला लेखन पुरस्कार से सम्मानित इस उपन्यास पर हुई चर्चा में वक्ताओं ने इसे राजस्थानी साहित्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। वरिष्ठ साहित्यकार नन्द भारद्वाज ने उपन्यास की भाषा और शिल्प को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि ''खाड्डा पार्किंग'' राजस्थानी भाषा का एक महत्वपूर्ण उपन्यास है। अद्भुत भाषा, सशक्त कथ्य और संवादों की जादूगरी इसे विशिष्ट बनाती है। सत्यनारायण ने कहा कि प्रेमलता सोनी अपने पात्रों के जीवन-संघर्षों को बेहद गहराई से समझती और अभिव्यक्त करती हैं। उपन्यास के पात्र रोज नई चुनौतियों से जूझते दिखाई देते हैं, जिससे पाठक सहज ही उनके सुख-दुख से जुड़ जाता है। प्रख्यात कथाकार मनीषा कुलश्रेष्ठ ने कहा कि इस उपन्यास की विशेषता केवल इसके मुख्य पात्र नहीं हैं, बल्कि वे छोटे-छोटे किरदार भी हैं जो अपनी उपस्थिति और संवादों से पाठक को भीतर तक झकझोर देते हैं। यह रचना समाज की अनेक परतों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ सामने लाती है। वरिष्ठ साहित्यकार शारदा कृष्ण ने राजस्थानी साहित्य में नए विषयों पर हो रहे लेखन को सुखद संकेत बताते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि राजस्थानी में ऐसे उपन्यास लिखे जा रहे हैं, जो अपने कथ्य और प्रस्तुति दोनों स्तरों पर अलग पहचान बना रहे हैं। संतोष चौधरी ने कहा कि ''खाड्डा पार्किंग'' शीर्षक अपने भीतर गहरा जीवन-दर्शन समेटे हुए है। जीवन में चाहे कितने भी खड्डे क्यों न हों, हर व्यक्ति को कभी न कभी ठहरकर स्वयं को देखने और समझने की आवश्यकता होती है। उपन्यास इसी भाव को प्रभावी ढंग से व्यक्त करता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजक दीपक शर्मा और शुभम शर्मा ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया। आर्द्रा मीडिया से प्रेरक मिश्रा और अदिति शर्मा ने अपनी आगामी परियोजनाओं की जानकारी साझा की। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी, अंशु कुलश्रेष्ठ, लक्ष्मण सिंह, जनित, विनीता, पिंकी, पूनम भाटिया, चंचल यादव, इंद्रा चतुर्वेदी, मधुमुकुल चतुर्वेदी, सुशील जैन, जय कुमार, राजेश शर्मा, रूबी बंसल, नीलम सपना शर्मा, अर्चना सिंह, शिल्पी पचौरी, सुचेता, सतीश शर्मा, सीमा शर्मा, रितिकांक्षा सोनी, प्रेरक सोनी और मतीन खान सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ साहित्यकार शारदा कृष्ण ने राजस्थानी साहित्य में नए विषयों पर हो रहे लेखन को सुखद संकेत बताते हुए कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि राजस्थानी में ऐसे उपन्यास लिखे जा रहे हैं, जो अपने कथ्य और प्रस्तुति दोनों स्तरों पर अलग पहचान बना रहे हैं। संतोष चौधरी ने कहा कि ''खाड्डा पार्किंग'' शीर्षक अपने भीतर गहरा जीवन-दर्शन समेटे हुए है। जीवन में चाहे कितने भी खड्डे क्यों न हों, हर व्यक्ति को कभी न कभी ठहरकर स्वयं को देखने और समझने की आवश्यकता होती है। उपन्यास इसी भाव को प्रभावी ढंग से व्यक्त करता है।

वक्ताओं के विचार

कथाकार उमा ने उपन्यास के शीर्षक और उसके प्रतीकात्मक अर्थ की चर्चा करते हुए कहा कि खड्डे सभी के जीवन में आते हैं, लेकिन जीवन की असली चुनौती उनसे बाहर निकलने की राह खोजने में है।

तसनीम खान ने उपन्यास में जीवन और मृत्यु जैसे अमूर्त तत्वों को पात्रों के रूप में गढ़ने की कल्पनाशीलता की सराहना करते हुए इसे एक दिलचस्प और विचारोत्तेजक कृति बताया।

हरिमोहन सारस्वत ने कहा कि लोकभाषा की सहजता, व्यंग्य की धार और संवेदना की गहराई इस उपन्यास को विशिष्ट बनाती है।

महेश कुमार ने कहा कि राजस्थानी भाषा को केवल आंदोलनों की नहीं, बल्कि ऐसी सशक्त रचनाओं की भी आवश्यकता है, जिन्हें हिन्दी पाठक भी समान रुचि और आत्मीयता के साथ पढ़ सकें।

इस अवसर पर उपन्यास की लेखिका प्रेमलता सोनी ने कहा कि वे राजस्थानी भाषा से युवा साथियों को भी जोड़ेंगी।

जीवन के खड्डों में ही छिपे हैं ठहराव, समझ और नई राहों के संकेत

॥ अहिंसा परमो धर्मः ॥

स्थापना : 1957

ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन आचार्य धरसेन के प्रयासों से
भगवान महावीर की दिव्य देशना को आचार्य पुष्पदंत-भूतबली द्वारा
'षट्-खण्डागम' ग्रन्थ के रूप में सर्वप्रथम लिपिबद्ध करने के उपलक्ष्य में

राजस्थान जैन साहित्य परिषद्, जयपुर

द्वारा आयोजित त्रि-दिवसीय

श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव

दिनांक 17,18, एवं 19 जून 2026

मंगल आशीर्वाद
राजकीय अतिथि, राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 सुन्दर सागर जी महाराज ससंघ

वात्सल्य आमंत्रण

श्रुतपंचमी महोत्सव! षट् खण्डागम रथयात्रा

धर्म प्रेमी साधर्मी बन्धुओ, जय जिनेन्द्र!
ज्ञान ही मोक्ष का मार्ग है और हमारी जिनवाणी उस मार्ग का दीपक। आचार्य श्री भूतबली और श्री पुष्पदन्त भगवन्त द्वारा रचित महान् ग्रन्थ षट्खण्डागम की रचना के परिप्रेक्ष्य में हम सब मिलकर श्रुत पंचमी के अवसर पर ग्रन्थराज को रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण का कार्यक्रम प्रतिवर्ष करते आ रहे हैं। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस ज्ञान रथ की प्रभावना के साक्षी बनने हेतु आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
सुद पंचमी दिणे सद्धम्माणं जिणवाणी-पुयणं मंगलं आयरिय-पुप्फदंत-भूदबली-रइयं, षट् खण्डागम जयउ सभी साधर्मी बन्धुओं से विनम्र आग्रह है जब यह ज्ञान रथ आपके गृह अथवा जिनालय के समीप से प्रस्थान करे तो अपनी श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए आरती उतारें तत्पश्चात इस भव्य रथयात्रा महोत्सव की धर्म सभा समारोह में सम्मिलित होकर ज्ञान तीर्थ की महत्ता को जन जन तक पहुँचाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें।

जिनवाणी सारथी

मुख्य अतिथि   **विशिष्ट अतिथि**   **जिनवाणी सेवक**

मांगलिक कार्यक्रम

श्रुतोपदेश दिवस

ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया
बुधवार, 17 जून 2026 रात्रि 7.30 बजे

विचार गोष्ठी

मुख्य वक्ता- डॉ. कमलेश जी जैन, जयपुर
(अध्यक्ष-जैन दर्शन प्राकृत विद्या शाखा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर)
विषय - सम्यक दर्शन में श्रुत ज्ञान का महत्त्व
मुख्य अतिथि - श्रेष्ठी श्री अशोक जी चाँदवाड़, कीर्तिनगर, टोंक रोड, जयपुर
गोष्ठी संयोजक- श्री सुदर्शन कुमार जी पाटनी
संचालन- पं. रमेश कुमार जी गंगवाल
स्थान : श्री जैन मन्दिर, कीर्तिनगर, टोंक रोड, जयपुर
(स्थानीय संयोजक : प्रेमचन्द जी गंगवाल)
अध्यक्ष : श्री प्रेम कुमार जी रॉवका
मंत्री : श्री जगदीश जी जैन

श्रेष्ठी श्री अशोक जी चाँदवाड़

श्रुत आराधना दिवस

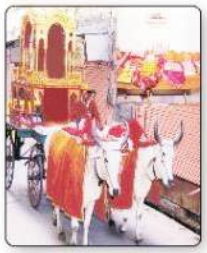

श्रुत स्कन्ध विधान पूजा

ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी
गुरुवार, 18 जून 2026 प्रातः 7.00 बजे

श्रुत स्कन्ध विधान
(साज- बाजों के साथ)
विधानाचार्य
पं. श्री रमेश कुमार जी गंगवाल
स्थानीय संयोजक
प्रदीप कुमार चाँदवाड़
स्थान : श्री दिगम्बर जैन मंदिर,
जनकपुरी ज्योति नगर, इमली वाला फाटक, जयपुर
अध्यक्ष : श्री सुदिह प्रकाश जी छाबड़ा
मंत्री : श्री देवेन्द्र जी कासलीवाल

श्रुत वंदना महोत्सव

विशाल जिनवाणी रथयात्रा

(षट्-खण्डागम ग्रन्थ) रथयात्रा

ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी, शुक्रवार, 19 जून 2026 प्रातः 7.00 बजे

जिनवाणी रथयात्रा मार्ग

जिनवाणी रथयात्रा श्री दिगम्बर जैन तेरापंथी बड़ा मंदिर दड़ा बाजार घी वालों का रास्ता से प्रारम्भ होकर हल्दियों का रास्ता, गोलियों की धर्मशाला, चौबीस महाराज का मन्दिर जौहरी बाजार, गोपाल जी का रास्ता, लालजी सांड का रास्ता व मनिहारों का रास्ता होते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित होगी।
रथयात्रा में झांकी, भजन गायक, महिला मण्डलों द्वारा भजन तथा शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता के प्रतिभागी रथयात्रा में सम्मिलित होकर चलेंगे।

रथयात्रा संयोजक : श्रीमती ममता संघी, श्रीमान् नवरत्न पाटनी

शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता

निर्णायक मण्डल द्वारा घोषित प्रथम, द्वितीय, तृतीय आकर्षक पुरस्कारों के अलावा सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।
अतः अधिक से अधिक श्रावक-श्राविका व बालक-बालिकाएँ, आबाल वृद्ध सभी इस प्रतियोगिता में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।
श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर दड़ा बाजार, घीवालों के रास्ते से शास्त्र जी को शिरोधार्य कर रथयात्रा के साथ चलें।
प्रतियोगिता निर्णायक मण्डल :- श्रीमती डॉ. माधुरी जी जैन, श्रीमती मोना जी पाटनी, श्रीमती सुशीला जी जैन

दीप प्रज्वलनकर्ता
डॉ. राजकुमारी जी
सुपुत्री पं. श्री ज्ञानचन्द जी बिल्टी वाले
मालवीय नगर, जयपुर

शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता पुरस्कार प्रदाता
श्री लोकेन्द्र जी-श्रीमती सोनिका जी, योगेन्द्र जी-आयुषी जी, रिधान जी एवं समस्त गंगवाल परिवार
मनिहारों का रास्ता, जयपुर

रथयात्रा में सम्मिलित बालक-बालिकाओं को पुरस्कार प्रदाता
श्रीमान् नवीन कुमार जी-सपना जी
(बिल्टी वाले)
मंगल विहार विस्तार, जयपुर

ध्वजवाहक
श्री लोकेन्द्र कुमार गंगवाल, जयपुर
आईडीएफसी बैंक स्टेट हेड-दिल्ली

धर्मध्वज धारक
श्री रिधान गंगवाल
(इण्डिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड एवं एशियन वर्ल्ड रिकार्डधारी)
श्री सुयश खण्डाका
(पुत्र श्री अशोक जी खण्डाका, जयपुर)
श्री विधान खिन्दूका
(पुत्र श्री रजत जी-कुसुम जी खिन्दूका, एडवोकेट)
श्री ज्ञान चन्द जी जैन
(मोहनबाड़ी, जयपुर)

चंवर धारक
1. आत्मिक जैन 2. भव्य संघी

सह संयोजक : उदयभान जैन, अनिल टोंग्या, श्रीमती मधु हाडा, श्रीमती ममता संघी, श्रीमती ऋचा जैन, श्रीमती सुलोचना चाँदवाड़, श्रीमती रमा जैन बिलाला, श्रीमती वीना देवी डिग्गीवाल

संरक्षक : डॉ. श्री प्रेमचन्द्र जी रांवका, श्री महेश चन्द जी चांदवाड़, सी.ए. श्री शांतिलाल जी गंगवाल, डॉ. श्री विमल कुमार जी जैन शास्त्री

विनीत :

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	संयुक्त मंत्री	अर्थ मंत्री	महोत्सव संयोजक
पदम चन्द जैन बिलाला	राजेन्द्र कुमार पापड़ीवाल	महावीर कुमार जैन चांदवाड़	रमेश कुमार गंगवाल	प्रद्युम्न पाटनी	पं. रमेश कुमार गंगवाल
मो. 9314024888	मो. 9214419945	मो. 8505030011	मो. 9414409133	मो. 9414277805	सी.ए. विकास जैन

राजस्थान जैन साहित्य परिषद्, जयपुर

नोट-जिनवाणी रथयात्रा आपके घर के नजदीक से निकलती है तो मंगल आरती करके पुण्यार्जन अवश्य करें।

'सम्यक दर्शन में श्रुत ज्ञान का महत्व' विषय पर साहित्य परिषद की गोष्ठी संपन्न

शुक्रवार को निकलेगी भव्य जिनवाणी रथ यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन साहित्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय श्रुत पंचमी महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को कीर्तिनगर जैन मंदिर में 'सम्यक दर्शन में श्रुत ज्ञान का महत्व' विषय पर सैकड़ों श्रुत साधकों की उपस्थिति में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं जैन दर्शन एवं प्राकृत विद्या शाखा, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रो. कमलेश जैन ने कहा कि सम्यक दर्शन की प्राप्ति में श्रुत ज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि जिनवाणी आत्मकल्याण का पथ प्रदर्शित करती है तथा उसके अध्ययन, मनन और चिंतन से व्यक्ति के जीवन में सही दृष्टिकोण, विवेक और आध्यात्मिक जागृति का विकास होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक चांदवाड़ रहे, जबकि दीप प्रज्वलन प्रेम गंगवाल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रुत आराधना एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। परिषद के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला, मंत्री महावीर चांदवाड़, गोष्ठी संयोजक सुदर्शन पाटनी तथा कीर्तिनगर जैन मंदिर समिति के मंत्री जगदीश जैन ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। महोत्सव संयोजक रमेश गंगवाल एवं सीए विकास जैन ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को प्रातः जनकपुरी जैन मंदिर में श्रुत स्कंध विधान का आयोजन होगा। वहीं शुक्रवार, 19 जून को प्रातः 7 बजे भव्य जिनवाणी रथ यात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा को श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र के मानद मंत्री श्रेष्ठी उमरावमल सांघी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। परिषद के मंत्री ने बताया कि रथ यात्रा एवं धर्मसभा में सीए प्रद्युम्न पाटनी जिनवाणी सारथी तथा छुट्टनलाल जैन जिनवाणी वाहक की भूमिका निभाएंगे। धर्मसभा में दीप प्रज्वलन डॉ. राजकुमारी द्वारा किया जाएगा, जबकि वरिष्ठ सीए शांतीलाल गंगवाल मुख्य अतिथि और श्रेष्ठी अशोक खंडाका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। परिषद के अध्यक्ष ने श्रुत साधकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर जिनवाणी के प्रति श्रद्धा, सम्मान और स्वाध्याय की परंपरा को सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। गोष्ठी का समापन संयोजक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। कार्यक्रम में परिषद के संरक्षक महेश चांदवाड़, डॉ. विमल जैन, कोषाध्यक्ष प्रद्युम्न पाटनी, अनिता बैद, शकुंतला बिंदायक्या, डॉ. अक्षय जैन, भागचंद मित्रपुरा, योगेश टोडरका सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रुत साधक उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026

मुनि 108 श्री प्रणम्य सागर जी महाराज की प्रेरणा से

योग है जीवन का आधार, स्वस्थ तन-मन का सुंदर उपहार

सादर आमंत्रण

दिगम्बर जैन महासमिति एवं संगिनी फॉरएवर
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव

दिनांक : 20 जून 2026 (शनिवार)

स्थान : जनकपुरी जैन मंदिर

समय: सुबह 6:00 बजे से

इस पावन अवसर पर अर्हम योग अंतरप्पा श्रीमती नीना पहाड़िया जी द्वारा योग, स्वास्थ्य एवं सकारात्मक जीवनशैली पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

श्रीमती नीना पहाड़िया

आइए, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर स्वस्थ, संतुलित एवं आनंदमय जीवन की ओर कदम बढ़ाएँ तथा स्वस्थ भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

'हर दिन योग – हर पल निरोग'

कार्यक्रम में आप सभी सपरिवार एवं सदम्पति सादर आमंत्रित हैं।

आयोजक मंडल

श्रीमती शकुंतला बिंदायका — महिलांचल अध्यक्षा

श्रीमती सुनीता जैन — महिलांचल मंत्री

श्रीमती उर्मिला जैन — महिलांचल कोषाध्यक्ष

विशेष सहयोग

समस्त प्रबंधकारिणी समिति | महिला मंडल | युवा मंडल, जनकपुरी

आइए योग अपनाएँ, रोग भगाएँ और जीवन में नई ऊर्जा जगाएँ।

आपकी गरिमामयी उपस्थिति ही कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी।

दिगम्बर जैन महासमिति

समन्वय • सद्भावना • संगठन

स्वस्थ शरीर – स्वस्थ मन – स्वस्थ समाज

योग अपनाएं – जीवन संवारें

चलें | व्यायाम करें | खेलें | साइकिल चलाएं | प्राणायाम करें | ध्यान करें | तैरें

21 जून 2026 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

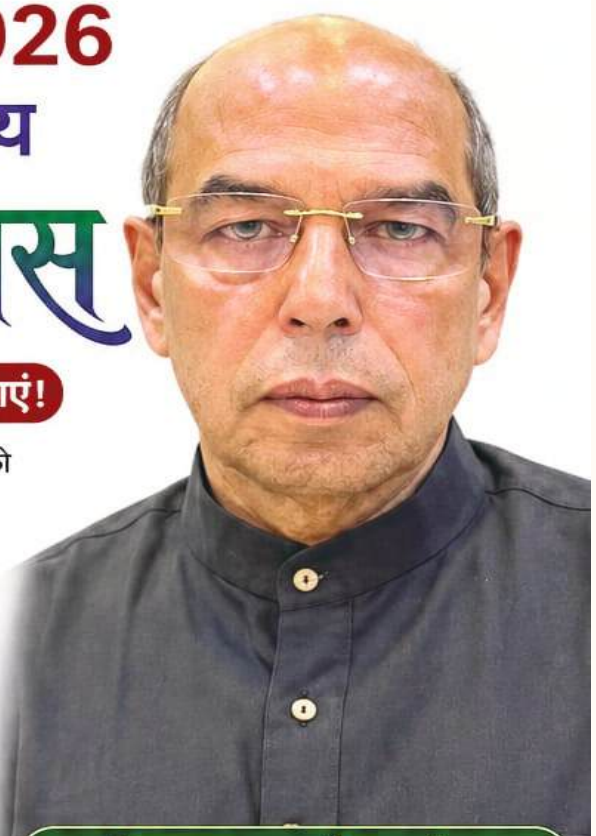

आइए, योग को अपनाएं, जीवन को स्वस्थ और सफल बनाएं!

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग हमारे शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ रखने का एक प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आइए, 21 जुन 2026 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वयं भी योग करें और समाज को भी योग के लिए प्रेरित करें।

समस्त इकाई, संभाग, अंचल एवं केंन्द्रीय पदाधिकारीगणों से अनुरोध है कि अपने-अपने क्षेत्र में व्यकिगत एवं सामूहिक रूप से योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करें।

सुरेंद्र कुमार जैन पांडया
राष्ट्रीय महामंत्री
दिगम्बर जैन महासमिति

कार्यक्रम की ग्रुप फोटो अथवा योग करते हुए व्यकिगत फोटो महासमिति पत्रिका में प्रकाशन हेतु केंन्द्रीय कार्यालय को ईमेल
infodjmahasamiti@gmail.com एवं
WhatsApp number 9711461454
पर व्यकिगत भिजवाने का कष्ट करें।

योग करें – निरोग रहें | योग अपनाएं – जीवन आनंदमय बनाएं

समन्वय • सदभावना • संगठन

पश्चिम बंगाल विधानसभा में जैन समाज प्रतिनिधिमंडल की विशेष शिष्टाचार भेंट

कोलकाता. शाबाश इंडिया

प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष का पुष्पमाला, दुपट्टा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

श्री समग्र जैन समाज भारत फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष रतिन्द्र बोस से शिष्टाचार भेंट कर जैन समाज से जुड़े विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष का पुष्पमाला, दुपट्टा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान जैन समाज की धार्मिक आस्थाओं, सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक संवाद हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से जैन साधु-संतों की सुरक्षा, उनके निर्बाध विहार, धार्मिक स्वतंत्रता तथा समाज के अधिकारों के संरक्षण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही परम पूज्य दिगंबर जैनाचार्य 108 श्री वसुनंदी जी महाराज के दर्शन एवं मंगल प्रवचन में शामिल होने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को सादर आमंत्रित किया। विधानसभा अध्यक्ष रतिन्द्र बोस ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समाजहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के सचिव रोशन जैन, सदस्य विनय जैन, श्रेयांश जैन एवं सुमित प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के उपरांत श्री समग्र जैन समाज भारत फेडरेशन के अध्यक्ष साहिल जैन ने विधानसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन भविष्य में भी समाजहित, जैन साधु-संतों की सुरक्षा, धार्मिक जागरूकता और सामाजिक एकता के लिए निरंतर सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थाओं और शासन-प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर विशेष

सतगुरु अर्जुन देव जी की शहादत क्यों हुई?: ठाकुर दिलीप सिंह

सिख पंथ के पांचवें गुरु, सतगुरु अर्जुन देव जी की शहादत भारतीय इतिहास की अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक घटनाओं में से एक मानी जाती है। इस विषय पर अनेक ऐतिहासिक दृष्टिकोण और शोध उपलब्ध हैं। प्रस्तुत आलेख में लेखक ठाकुर दिलीप सिंह ने अपना दृष्टिकोण व्यक्त किया है। लेखक के अनुसार, सतगुरु अर्जुन देव जी की शहादत के पीछे सबसे बड़ा कारण तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर की नीतियां थीं। उनका दावा है कि जहांगीर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-जहांगीरी में गुरु अर्जुन देव जी के प्रति अपने विचारों का उल्लेख किया है तथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई का आदेश दिया था। लेख में यह भी कहा गया है कि चंदू की पुत्री और गुरु हरिगोबिंद साहिब जी के विवाह प्रस्ताव को भी

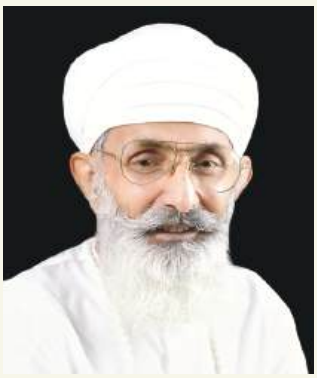

लेखक का मानना है कि इतिहास से सीख लेकर समाज को एकजुटता, जागरूकता और संगठन की दिशा में आगे बढना चाहिए। उनके अनुसार, आपसी मतभेदों को भुलाकर समाजहित और राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाना समय की आवश्यकता है...

जहांगीर ने रुकवाया तथा बाद में चंदू और गुरु परिवार के बीच मतभेद उत्पन्न हुए। लेखक का मत है कि इतिहास में चंदू को प्रमुख कारण के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि वास्तविक जिम्मेदारी तत्कालीन सत्ता की नीतियों पर थी। यह लेखक का व्यक्तिगत ऐतिहासिक विश्लेषण है। लेखक आगे यह विचार भी रखते हैं कि उस समय सिखों का अपना राजनीतिक शासन न होने के कारण परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। इसी संदर्भ में वे सिख समाज से सामाजिक और राजनीतिक रूप से संगठित होकर लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हैं, ताकि समाज अपने अधिकारों और हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा कर सके। लेखक का मानना है कि इतिहास से सीख लेकर समाज को एकजुटता, जागरूकता और संगठन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उनके अनुसार, आपसी मतभेदों को भुलाकर समाजहित और राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाना समय की आवश्यकता है।

रमेश भार्गव: पत्रकार, ऐलनाबाद

जैविभा विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. लिपि जैन ने अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण को भेंट की अपनी नवीन पुस्तक

लाडनूं. शाबाश इंडिया। जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग की सहायक आचार्या डॉ. लिपि जैन की नवप्रकाशित पुस्तक ''महात्मा गांधी : विचार एवं व्यवहार'' की प्रति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ एवं डॉ. लिपि जैन ने विश्वविद्यालय के अनुशास्ता एवं तेरापंथ धर्मसंघ के अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण को भेंट की। आचार्य श्री महाश्रमण ने पुस्तक का अवलोकन करने के पश्चात इसे एक सराहनीय प्रयास बताते हुए डॉ. लिपि जैन को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। डॉ. लिपि जैन द्वारा लिखित इस पुस्तक

में महात्मा गांधी के व्यक्तित्व, चिंतन और उनके बहुआयामी दर्शन का समग्र एवं गहन अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में गांधीजी के जीवन-वृत्त, नैतिक एवं आध्यात्मिक आधार, सत्य, अहिंसा और ईश्वर संबंधी विचारों का विस्तृत विवेचन किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न धर्मों–हिन्दू, जैन, बौद्ध, ईसाई और इस्लाम–का गांधी विचारधारा पर पड़े प्रभाव का विश्लेषण करते हुए उनके चिंतन की सार्वभौमिकता को रेखांकित किया गया है। पुस्तक में पाश्चात्य विचारकों टॉलस्टॉय, रस्किन और थोरो के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन भी शामिल है। कृति में गांधीवादी अर्थशास्त्र, ग्राम विकास, स्वदेशी, ट्रस्टीशिप तथा सामाजिक-आर्थिक आदर्शों की समकालीन प्रासंगिकता पर विशेष प्रकाश डाला गया है। इसके अलावा सतत विकास, उपभोक्तावाद, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वैश्विक शांति जैसे आधुनिक विषयों में गांधीवादी सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग को भी विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक केवल एक अकादमिक अध्ययन ही नहीं, बल्कि वर्तमान समाज के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ के रूप में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने आचार्य श्री महाश्रमण को डॉ. लिपि जैन द्वारा रचित अन्य पुस्तकों ''विकासः गांधी एवं महाप्रज्ञ दृष्टि'', ''कॉन्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन एंड पीस टेक्नोलॉजी'' तथा ''वैकल्पिक आर्थिक चिंतन'' की जानकारी देते हुए उनकी प्रतियां भी भेंट कीं। आचार्य श्री महाश्रमण ने इन पुस्तकों का भी अवलोकन कर डॉ. लिपि जैन के लेखन एवं शोध कार्य की सराहना की।

धर्म मन, वचन और काया की पवित्रता में है: आर्यिका सुबोध मति माताजी

आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी ससंघ का निवाई में गाजे-बाजे के साथ हुआ मंगल प्रवेश

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में बुधवार को आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ का निवाई शहर में गाजे-बाजे और जयघोष के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्रद्धालुओं ने मार्गभर चरण प्रक्षालन, पुष्पवर्षा और आरती कर आर्यिका ससंघ का आत्मीय स्वागत किया। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं

विमल जौंला ने बताया कि प्रातःकाल श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी के समक्ष श्रीफल अर्पित कर निवाई प्रवेश का निवेदन किया। इसके बाद आर्यिका रत्न आदिमति माताजी की शिष्या आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी ससंघ बायपास स्थित पुलिया से शोभायात्रा के रूप में रवाना हुआ। जयघोष के बीच ससंघ अग्रवाल जैन मंदिर पहुंचा, जहां विराजमान मुनि विलोक सागर महाराज एवं मुनि विबोध सागर महाराज ससंघ के चरणों में वंदना की गई। इसके पश्चात आर्यिका ससंघ ने भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए और अग्रवाल जैन मंदिर से अहिंसा सर्किल, बड़ा बाजार, बड़ा जैन मंदिर, बिचला जैन मंदिर होते हुए संत निवास नसियां जैन मंदिर पहुंचा। मार्ग में धर्मचंद-दिनेश कुमार चंवरिया, राजेंद्र कुमार-अशोक कुमार सेदरिया तथा सन्मति कुमार-मोहित चंवरिया परिवार को चरण प्रक्षालन एवं श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। नसियां जैन मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने आर्यिका ससंघ का चरण प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर स्वागत किया। संत निवास में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका श्रुतमति माताजी ने कहा कि धर्म का संबंध शरीर से नहीं, बल्कि आत्मा से है। सच्चा धर्म मन, वचन और काया की पवित्रता में निहित है।

वर्द्धमान शिक्षण समिति को हांगकांग में मिला ''एशिया अवॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस''

महिला शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मान

ब्यावर. शाबाश इंडिया। महिला शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखने वाली श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। समिति द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों को शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हांगकांग-मकाऊ में आयोजित समारोह में प्रतिष्ठित ''एशिया अवॉर्ड्स ऑफ एक्सीलेंस'' से सम्मानित किया गया। समिति के मंत्री एवं शिक्षाविद् डॉ. नरेन्द्र पारख को इस अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

आठ दिवसीय हांगकांग-मकाऊ प्रवास के बाद स्वदेश लौटने पर वर्द्धमान परिवार की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। डॉ. पारख ने इस सम्मान को वर्द्धमान ग्रुप के सभी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समिति आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों तथा वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित कर विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मान्यताओं एवं अनुप्रमाणनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच उपलब्ध कराना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है, ताकि विद्यार्थी विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। समिति के अध्यक्ष सुनील खेतपालिया, शैक्षणिक निदेशक डॉ. आर.सी. लोढ़ा, पदाधिकारियों, सदस्यों, प्राचार्यों, संकाय सदस्यों एवं विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ. नरेन्द्र पारख एवं वर्द्धमान परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मान संस्था को शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

दो मरीजों का कराया निःशुल्क डायलिसिस

लायंस क्लब अजमेर आस्था का सेवा अभियान निरंतर जारी

अजमेर. शाबाश इंडिया। सेवा और मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए लायंस क्लब अजमेर आस्था ने दो जरूरतमंद किडनी रोगियों का निःशुल्क डायलिसिस कराकर उन्हें राहत प्रदान की। क्लब के सहयोग से वरुण सागर रोड निवासी 36 वर्षीय प्रतीक सिंह तथा ग्राम भेरूंदा, जिला अजमेर निवासी रघुवीर सिंह का पारस यूरोलॉजी हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक निःशुल्क डायलिसिस कराया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि यह सेवा कार्य समाजसेवी महेंद्र कोठारी एवं अहम बलहट के सहयोग से चिकित्सा सहायता परियोजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस पहल से दोनों मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक राहत मिलने के साथ समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध हो सकी। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायनिस्टिक सत्र 2025-26 के दौरान क्लब द्वारा अब तक कुल 11 निःशुल्क डायलिसिस कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि संस्था

भविष्य में भी जरूरतमंद मरीजों के उपचार, स्वास्थ्य सहायता और जनसेवा के कार्यों को इसी प्रतिबद्धता के साथ जारी रखेगी। इस अवसर पर क्लब पदाधिकारियों ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के सक्षम एवं जागरूक नागरिकों से ऐसे मानवीय सेवा कार्यों में अधिक से अधिक सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

प्रताप का पराक्रम

450 वर्ष बाद फिर केंद्र में हल्दीघाटी की विजयगाथा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मेवाड़ की वीरभूमि ने मंगलवार को एक बार फिर इतिहास को वर्तमान में जीवंत होते देखा। हल्दीघाटी युद्ध की 450वीं वर्षगांठ और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर गांधी ग्राउंड में आयोजित राष्ट्र चेतना संकल्प सभा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का विराट उद्घोष बन गई। हजारों लोगों की उपस्थिति में मंच से प्रताप के शौर्य, त्याग और संघर्ष की गाथाएं गूंजीं तो वातावरण राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो उठा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने संबोधन में महाराणा प्रताप को भारतीय आत्मसम्मान का शाश्वत प्रतीक बताते हुए कहा कि भारत का इतिहास दासता का नहीं, बल्कि विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध निरंतर चले प्रतिरोध का इतिहास है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं था, बल्कि राष्ट्रचेतना की रक्षा के लिए समाज की सामूहिक शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि यदि हल्दीघाटी के युद्ध के बाद भी मुगल सेना भय और असुरक्षा से घिरी रही तथा महाराणा प्रताप संघर्षरत रहकर अपने स्वाभिमान की रक्षा करते रहे, तो इतिहास स्वयं इस प्रश्न का उत्तर देता है कि वास्तविक विजय किसकी थी। उनका यह कथन उपस्थित जनसमूह की जोरदार तालियों के बीच लंबे समय तक गूंजता रहा कि ''महाराणा प्रताप की जयंती पूरे देश में मनाई जाती है, अकबर की नहीं; यही इतिहास का लोकनिर्णय है।'' सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित निम्बार्क पीठाधीश्वर श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य ने मेवाड़ को शौर्य और भक्ति की संगमस्थली बताते हुए कहा कि यह भूमि जहां महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक की जन्मस्थली है, वहीं मीराबाई जैसी महान भक्त भी इसी धरा की देन हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से इतिहास पर छाए भ्रम के बादल अब छंट रहे हैं और समाज अपने वास्तविक नायकों को पुनः पहचान रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि हल्दीघाटी विजय का सत्य नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इसे भारतीय अस्मिता और स्वतंत्रता चेतना के संरक्षण का महान अध्याय बताते हुए समाज से आग्रह किया कि वह इस गौरवगाथा को घर-घर तक पहुंचाए। सभा के दौरान जब हजारों कंठों ने एक स्वर में ''चंदन है इस देश की माटी...'' का गायन किया, तो पूरा गांधी ग्राउंड राष्ट्रभक्ति के भाव से स्पंदित हो उठा। आयोजन ने यह संदेश दिया कि महाराणा प्रताप केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि आज भी भारतीय जनमानस की चेतना, स्वाभिमान और संघर्षशीलता के जीवंत प्रेरणास्रोत हैं। आगंतुकों का कार्यकर्ताओं ने हल्दीघाटी की माटी से तिलक किया गया। प्रवेश द्वारों पर कार्यकर्ताओं ने एक-एक आगंतुक को तिलक किया गया। संत प्रवर व गणमान्य अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। पूरा आयोजन सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त रहा। अतिथियों के लिए पानी की बोतल मिट्टी की उपयोग में ली गई। रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

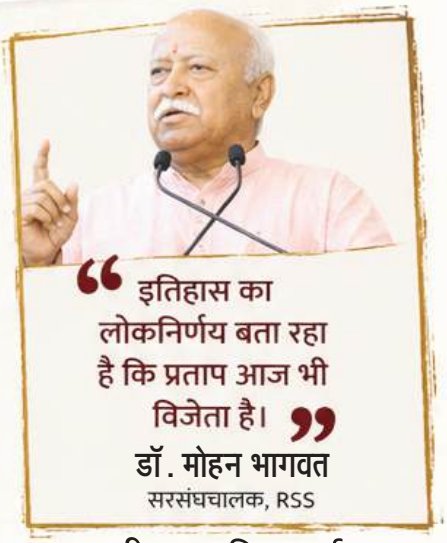

> "इतिहास का लोकनिर्णय बता रहा है कि प्रताप आज भी विजेता है।"
>
> **डॉ. मोहन भागवत**
> सरसंघचालक, RSS

सीएम सहित कई विशिष्टजन रहे सभा में

राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में मेवाड़–वागड़ के कई संत–महंतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सांसद सीपी जोशी, डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया, धरोहर संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत आदि उपस्थित थे। विशेष रूप से नाथद्वारा विधायक व मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि बुधवार को उनका जन्मदिन भी था। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी सभा में उपस्थित थीं। विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड़, ताराचंद जैन, फूल सिंह मीणा, शंकर ढेचा, अर्जुनलाल जीनगर, श्रीचंद कृपलानी, लालाराम बैरवा आदि उपस्थित थे।

गूंजते रहे जयकारे

हजारों आंगतुकों की उपस्थिति में सभा के दौरान ''भारत माता की जय'', ''वंदे मातरम्'', ''जय श्रीराम'' और ''महाराणा प्रताप अमर रहें'' के उद्घोषों से पूरा गांधी ग्राउंड राष्ट्रभक्ति के स्वर से गुंजायमान रहा। सम्पूर्ण मेवाड़ वागड़ व राजस्थान के अन्य जिलों सहित देश के कोने–कोने से उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में संत समाज का भी आशीर्वाद मिला। राष्ट्र चेतना संकल्प सभा राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव का विराट उद्घोष बन गई। समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। इसे एक लाख से अधिक लोगों ने विभिन्न प्लेटफॉर्म पर देखा। इससे पूर्व, आरंभ में प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने सभी का स्वागत करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति व समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. मोहन भागवत के सरकार्यवाह रहते हुए शिलान्यास हुआ और सरसंघचालक का दायित्व संभालने के बाद 2016 में केन्द्र का उद्घाटन हुआ।

जैन संस्कृति की रक्षा एवं धर्म प्रभावना के लिए समर्पित

भगवान महावीर के जयकारों के बीच

रवाना हुआ

12 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल

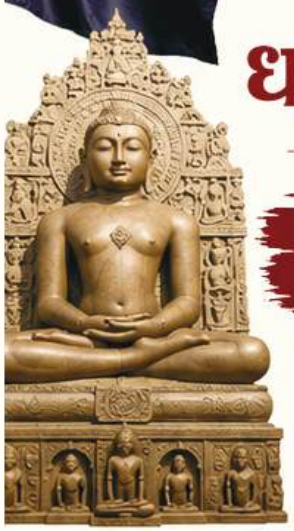

यात्री करेंगे भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार का प्रचार-प्रसार

सम्मेद शिखर जी में होगी 27 किलोमीटर की पैदल पर्वत वंदना

धर्म प्रभावना | तीर्थ दर्शन | पर्वत वंदना | अहिंसा संदेश | सांस्कृतिक आयोजन

यात्रा के अगले चरण में श्रद्धालु मंदारगिरि, चंपापुर, पावापुरी जल मंदिर, कुंडलपुर, नालंदा, राजगिरि, भद्दलपुर, कोल्हुआ पहाड़, अयोध्या, अहिच्छेत्र पार्श्वनाथ एवं मथुरा चौरासी सहित विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन करेंगे। यात्रा 28 जून की रात्रि को पुन: जयपुर लौटेगी। संयोजक अमरचंद दीवान एवं सुनील चौधरी ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा-अर्चना, पर्वत वंदना, दिगम्बर जैन संतों के दर्शन एवं प्रवचन के साथ धार्मिक और देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन तथा भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार के प्रचार-प्रसार से जुड़े विशेष आयोजन भी किए जाएंगे।

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन संस्कृति की रक्षा एवं धर्म प्रभावना के लिए वर्ष 1986 में स्थापित श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा बुधवार को भगवान महावीर के जयकारों के बीच भट्टारक जी की नसियां से रवाना हुई। 17 से 28 जून तक चलने वाली इस यात्रा का उद्देश्य भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा और शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा विभिन्न सिद्ध एवं तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन कराना है। संघ के संरक्षक सुभाष चंद जैन एवं धार्मिक यात्रा के मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया के नेतृत्व में 132 यात्रियों को लेकर तीन वातानुकूलित बसें वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर महाराज की जन्मस्थली कोसमा के लिए रवाना हुईं। प्रचार-प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व भट्टारक जी की नसियां स्थित जिनालय में सामूहिक देवदर्शन के बाद सूर्यप्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में विश्व कल्याण की मंगल प्रार्थना की गई। इसके पश्चात संघ के संरक्षक सुभाष चंद जैन, मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया, संयोजक सूर्यप्रकाश छाबड़ा, अमरचंद दीवान, सुनील चौधरी, मैना बाकलीवाल, मनीष लुहाड़िया, राजेंद्र जैन मोजमाबाद एवं जिनेन्द्र जैन का तिलक एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। श्रीजी की सामूहिक मंगल आरती के बाद गणमान्य अतिथियों ने जैन ध्वज दिखाकर यात्रा दल को रवाना किया। इस अवसर पर एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल, उमरावमल संघी, महेश काला, ज्ञानचंद झांझरी, प्रदीप जैन, सुभाष चंद जैन जौहरी, राजीव पाटनी, मनीष बैद, यशकमल अजमेरा, राजेश बड़जात्या, वैद्य अशोक कुमार गोधा, डॉ. पी.सी. जैन, कमल वैद, अमरचंद पाटोदी, सोभागमल जैन एवं विमल छाबड़ा सहित अनेक गणमान्यजनों ने यात्रियों को शुभकामनाएं दीं। संरक्षक सुभाष चंद जैन ने कहा कि यह धार्मिक यात्रा भक्ति, साधना, तीर्थदर्शन और आत्मिक उन्नति का अनुपम संगम सिद्ध होगी। मुख्य संयोजक सुरेश ठोलिया ने बताया कि यात्रा दल पहले कोसमा पहुंचेगा, जहां रात्रि विश्राम के बाद नवग्रह दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा-अर्चना होगी। इस अवसर पर जैन धर्म के 15वें तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाते हुए 15 किलो का निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा। इसके बाद यात्रा दल प्रभाषगिरि (कौशांबी) पहुंचेगा और 19 जून की रात्रि को जैन धर्म के 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि एवं सर्वोच्च सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी पहुंचेगा। यहां 20 एवं 21 जून को 24 टोंकों की 27 किलोमीटर की सामूहिक पैदल पर्वत वंदना तथा तलहटी स्थित मंदिरों के दर्शन किए जाएंगे।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समाज ने बुधवार को तपोभूमि प्रेरणा आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज ससंघ को विनयपूर्वक चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन मुनि सेवा समिति के संयोजक महावीर कासलीवाल ने बताया कि समाज के श्रद्धालु प्रातः त्रिवेणी नगर से दुर्गापुरा स्थित दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे, जहां आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में श्रीफल अर्पित कर चातुर्मास का विनम्र निवेदन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म एवं आध्यात्मिक साधना के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति के मंत्री शैलेंद्र जैन, उपाध्यक्ष महावीर कासलीवाल, राकेश छाबड़ा, विमल छाबड़ा, कैलाश सोगानी, अंकुर पाटोदी, सुरेश सेठ, हीरा जैन तथा महिला मंडल की बबीता लुहाड़िया, मेना पाटनी, वंदना अजमेरा सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बच्चों की प्रतिभाओं ने बिखेरे रंग, ग्रीष्मकालीन अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल, जयपुर (रजि.) एवं लीनेस ब्लू डायमंड क्लब, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय 23वें विशाल निःशुल्क ग्रीष्मकालीन अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर-2026 का समापन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में रामेश्वर महादेव मंदिर के बेसमेंट, महारानी फार्म में संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी श्वेता दीदी तथा विशिष्ट अतिथि अंजना जैन (लीनेस मल्टिपल एडमिनिस्ट्रेटर) रहीं। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समापन समारोह में बच्चों ने शिविर के दौरान सीखी गई विभिन्न प्रस्तुतियों का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने गणेश वंदना, किड्स डांस, गर्ल्स डांस, लेडीज डांस, रुतवी का सोलो डांस तथा सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी श्वेता दीदी ने कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास, संस्कार निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि अंजना जैन ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम संयोजक एवं मंडल की अध्यक्ष शकुन्तला विजयवर्गीय ने बताया कि दस दिवसीय शिविर में लगभग 130 प्रतिभागियों ने डांस एवं जुम्बा, मेहंदी, स्किन केयर एवं सेल्फ मेकअप, बैग-पर्स मेकिंग, नेल आर्ट और स्केचिंग सहित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में प्रशिक्षक संजीव चौधरी, रीना विजयवर्गीय, अल्का मारोठिया, श्यामा विजयवर्गीय, ज्योति सैनी एवं प्रज्ञा को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। शिविर का प्रतिवेदन ब्लू डायमंड क्लब की कोषाध्यक्ष शशि गुप्ता ने प्रस्तुत किया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन चंदन जैन ने किया। ब्लू डायमंड क्लब की सचिव निर्मला विजयवर्गीय ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। शिविर के सफल संचालन में निर्मला विजयवर्गीय, शशि गुप्ता, पुष्पा खंडेलवाल, वंदना मिश्रा एवं शालिनी कंवर का विशेष सहयोग रहा। समापन समारोह में रीतू विजयवर्गीय, सावि विजयवर्गीय, कृष्णकांता विजयवर्गीय, श्यामली विजयवर्गीय, अंजली बालोदिया, विनीता शर्मा, अनुराधा सहित महिला मंडल एवं लीनेस ब्लू डायमंड क्लब की अनेक सदस्याएं और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्योपुर समाज ने आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

तपोभूमि प्रणेता पूज्य आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज के आगामी श्योपुर मंगल आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और उमंग का वातावरण है। इसी क्रम में मंगलवार को दुर्गापुरा जैन मंदिर, जयपुर में विराजमान पूज्य गुरुदेव के श्रीचरणों में श्योपुर प्रवास हेतु श्रीफल भेंट कर मंगल आगमन का विनम्र निवेदन किया गया। लगभग 10 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज का श्योपुर में मंगल प्रवेश प्रस्तावित है, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का माहौल बना हुआ है। आगामी 21 जून 2026, रविवार प्रातः 7 बजे श्योपुर-प्रताप नगर दक्षिण संभाग में पूज्य गुरुदेव का भव्य मंगल प्रवेश होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि गुरुदेव के मंगल प्रवेश को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के मंत्री नेमीचंद निमोडिया, उपाध्यक्ष मुकेश बनेठा, कोषाध्यक्ष सतीश जैन माधोराजपुरा, कार्यकारी सदस्य देवेंद्र बाकलीवाल, प्रवीण जैन एवं गोविंद जैन टोरड़ी, युवा मंडल अध्यक्ष निमेष गंगवाल, मंत्री अनीश जैन तथा महिला मंडल अध्यक्ष रत्नप्रभा पापड़ीवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यकारिणी संरक्षक अशोक पापड़ीवाल के साथ समाज के वरिष्ठजन राजेश हाड़ा, अशोक बाकलीवाल, अशोक छाबड़ा, प्रदीप पांड्या, डॉ. हिमांशु जैन, विनोद सेठी पीपला, कैलाश पचेवर, मनोज बाकलीवाल एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया और गुरुदेव के मंगल प्रवेश को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया। समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूज्य गुरुदेव के मंगल प्रवेश महोत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आचार्य श्री का यह मंगल आगमन क्षेत्र में धर्म प्रभावना, संस्कार जागरण और आध्यात्मिक चेतना का नया अध्याय स्थापित करेगा।

उपाध्याय श्री 108 वृषभनंदी जी मुनिराज ससंघ के चातुर्मास हेतु श्रीफल समर्पित

मधुबन (गिरिडीह). शाबाश इंडिया। शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी स्थित तेरहपंथी कोठी में बुधवार को परम पूज्य उपाध्याय श्री 108 वृषभनंदी जी मुनिराज ससंघ के आगामी वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु भव्य एवं भक्तिमय मंगल निवेदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र कमेटी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावकों ने सामूहिक रूप से श्रीफल समर्पित कर पूज्य मुनिराज से मधुबन में चातुर्मास करने का विनम्र आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने अगाध श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ पूज्य मुनिराज के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित करते हुए मंगलमय चातुर्मास की कामना की। उपस्थित भक्तों ने विश्वास व्यक्त किया कि शिखर जी की पावन धरा पर गुरुदेव का सान्निध्य समस्त जैन समाज के लिए आध्यात्मिक उन्नति और पुण्य लाभ का अवसर सिद्ध होगा। पूरे आयोजन के दौरान परिसर ''नमोस्तु शासन'' और गुरुवंदना के जयघोष से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने पूज्य मुनिराज की आरती उतारकर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना की तथा धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कहा कि गुरुवर के सान्निध्य में आयोजित होने वाला आगामी चातुर्मास सिद्ध क्षेत्र पर धर्म प्रभावना का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा और असंख्य भव्य जीवों के आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम में तेरहपंथी कमेटी के पदाधिकारी, स्थानीय जैन समाज के प्रबुद्धजन तथा बड़ी संख्या में गुरुभक्त उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में पूज्य उपाध्याय श्री 108 वृषभनंदी जी मुनिराज ससंघ से आगामी चातुर्मास के लिए अपने मंगल निवेदन को स्वीकार करने की प्रार्थना की।

कमल लोचन को ''जीव दया सम्मान'' से सम्मानित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व समाज सेवा समिति के तत्वावधान में बुधवार को विद्याधर नगर में जीव दया सम्मान एवं रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पशु-पक्षियों की सेवा और संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कमल लोचन को 'जीव दया सम्मान' से सम्मानित किया गया। समिति के अध्यक्ष तेज प्रताप प्रकाश सोनी ने इस अवसर पर पक्षी चिकित्सालय के संचालन एवं जीव दया के क्षेत्र में कमल लोचन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कमल लोचन वर्षों से निस्वार्थ भाव से घायल एवं जरूरतमंद पशु-पक्षियों की सेवा में जुटे हुए हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कमल लोचन का साफा, दुपट्टा एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान किया तथा उन्हें प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न और उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में नवरत्न बाफना, राजीव गुप्ता, किशन अग्रवाल सहित अनेक राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। तुलसी सोनी ने बताया कि कमल लोचन पिछले 30 वर्षों से लगातार पशु-पक्षियों के कल्याण और संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं तथा उनकी सेवाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद कमल लोचन ने आयोजकों एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवों की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है और भविष्य में भी वे इसी समर्पण के साथ अपने सेवा कार्य जारी रखेंगे।

वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत भगवान आदिनाथ को अस्थायी वेदी में विराजमान किया गया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन नागौरी मंदिर, कुचामन सिटी में आगामी 4 एवं 5 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं मूल वेदी नवनीकरण के उपलक्ष्य में बुधवार को मूल वेदी पर विराजमान भगवान आदिनाथ एवं अन्य जिन प्रतिमाओं को विधि-विधानपूर्वक अस्थायी वेदी में विराजमान किया गया। यह धार्मिक आयोजन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सुशिष्य ऐल्लक 105 क्षीरसागर जी महाराज के सान्निध्य तथा प्रतिष्ठाचार्य अमित भैया (इंदौर) के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रथम दिवस पर मूल वेदी स्थित श्रीजी का भव्य अभिषेक, सुख-समृद्धि प्रदाता शांतिधारा तथा विशेष मंत्रोच्चार के साथ जाप स्थापना का आयोजन किया गया। बुधवार प्रातः 7 बजे मंगलाष्टक के साथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। शांतिधारा का सौभाग्य पदमचंद-संजय कुमार सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं ऋद्धि-सिद्धि प्रदाता याग मंडल विधान में सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य कैलाशचंद पांड्या परिवार, ईशान इन्द्र बनने का सौभाग्य अजित पहाड़िया परिवार, यज्ञनायक बनने का सौभाग्य विमलचंद झांझरी परिवार तथा कुबेर इन्द्र बनने का सौभाग्य विनोद झांझरी परिवार को प्राप्त हुआ। मंडल पर कलश स्थापना का सौभाग्य सुशील गंगवाल परिवार को मिला। विधान एवं हवन के माध्यम से समस्त प्राणीमात्र के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की गई। इसके उपरांत भगवान आदिनाथ सहित अन्य जिन प्रतिमाओं को पूर्ण विधि-विधान, विनय और श्रद्धाभाव के साथ अस्थायी वेदी में विराजमान किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी, श्रावक-श्राविकाएं तथा बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति एवं श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

-सुभाष पहाड़िया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने गौशाला में किया चारा वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। पदम जैन एवं प्रीति जैन की वैवाहिक वर्षगांठ के पावन अवसर पर जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की ओर से दुगार्पुरा गौशाला में गौ-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गौवंश के लिए चारा, हरा चारा, गुड़ एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। ग्रुप के सचिव अजय जैन ने बताया कि सेवा भावना से प्रेरित इस आयोजन का उद्देश्य गौ-सेवा के साथ सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी, उपाध्यक्ष सुकेश काला, संयुक्त सचिव विजय जैन, कोषाध्यक्ष संजय गोंधा, महेंद्र जैन, प्रीतीश जैन, प्रीति जैन, कनिष्का जैन, हर्षिता जैन तथा अनीता जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने गौ-सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा एवं संस्कार की भावना को सशक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पदम जैन एवं प्रीति जैन को उनकी वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी, समृद्ध एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की गई। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे।

युवा देश की आन-मान-शान, युवतियां उसकी संस्कृति और सम्मान हैं : आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया। वैज्ञानिक संत आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ने बुधवार को जैन भवन, छीपीटोला में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश, धर्म, समाज और परिवार की सबसे बड़ी शक्ति हैं। जब युवाओं को साथ लेकर कार्य किया जाता है तो समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है, लेकिन उन्हें जोड़ने के बजाय तोड़ने की प्रवृत्ति समाज को पिछड़ेपन की ओर ले जाती है। इसलिए प्रत्येक कार्य में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। आचार्यश्री ने युवाओं को संदेह, घृणा, नफरत और गुटबाजी से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि अपनों के बीच दीवारें खड़ी करने के बजाय प्रेम, सद्भाव और एकता का वातावरण बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को जोश के साथ होश भी बनाए रखना चाहिए तथा किसी भी विषय से शीघ्र प्रभावित होने से बचना चाहिए, क्योंकि वही देश के भविष्य के निर्माता हैं। अपने प्रेरक उद्बोधन में आचार्यश्री ने कहा कि यदि युवा देश की आन, मान और भाग्य हैं, तो युवतियां उसकी शान, सम्मान, संस्कृति और विधाता हैं। युवा यदि गीत हैं तो युवतियां संगीत हैं, युवा संस्कार हैं तो युवतियां संस्कृति हैं। समाज और राष्ट्र निर्माण में दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने 72 कलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में ज्ञान, चिंतन, वाणी, संगीत, पाककला, मनोरंजन, साधना, पवित्रता और श्रेष्ठ व्यवहार सहित अनेक गुणों एवं कलाओं का विकास होना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि एक दिगम्बर साधु इन सभी कलाओं से संपन्न होता है और अपने जीवन से समाज को प्रेरणा प्रदान करता है। मंगल प्रवचन से पूर्व आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट एवं पूजन करने का सौभाग्य एनसीसी मंडल एवं विद्यासागर पाठशाला परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर आचार्यश्री के प्रेरणादायी प्रवचनों का श्रवण किया और धर्मलाभ प्राप्त किया।

रिपोर्ट : शुभम जैन

दाहोद की पावन धरा पर दो महान जैन आचार्यों का ऐतिहासिक महामिलन

आठ वर्षों बाद आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज एवं अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज का हुआ भावपूर्ण मिलन

दाहोद (गुजरात). शाबाश इंडिया। गुजरात की पुण्यभूमि दाहोद एक ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनी, जब अंकलीकर परंपरा के चतुर्थ पट्टाचार्य परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनील सागरजी महाराज एवं सिंह निष्क्रिय व्रतधारी महोदधि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी मुनिराज का भव्य महामिलन संपन्न हुआ। लगभग आठ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद हुए इस दुर्लभ मिलन ने हजारों श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महामिलन के दौरान अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने गुरुभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज के चरणों की वंदना की तथा उनका पादप्रक्षालन किया। अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि ''बड़ों के सामने सदैव बालक बनकर जाना चाहिए, तभी जीवन में सीखने का अवसर प्राप्त होता है।'' उन्होंने तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागरजी महामुनिराज का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को केवल शेर ही नहीं, बल्कि आचार्य श्री सुनील सागरजी जैसे ''बब्बर शेर'' भी प्रदान किए हैं। अपने उद्बोधन में आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज ने आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की कठोर तपस्या की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं से प्रत्येक माह कम से कम एक उपवास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ''निरोगी रहने के लिए महीने में एक उपवास आवश्यक है।'' साथ ही साधु-संतों के बीच आपसी एकता और समन्वय पर बल देते हुए कहा कि यदि सभी संत इसी प्रकार मिल-जुलकर रहें, तो जैन समाज अपने पवित्र तीर्थस्थलों की रक्षा में निश्चित रूप से सफल होगा। विशेष बात यह रही कि दाहोद आगमन की पूर्व संभावना नहीं थी, किंतु यह नगरी तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागरजी महाराज की तपोभूमि रही है। श्रद्धालुओं का मानना है कि गुरुदेव की तपस्या के प्रभाव से ही दोनों महान संतों का यह ऐतिहासिक मिलन इसी पुण्यस्थली पर संभव हो सका।

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

अजमेर. शाबाश इंडिया। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग को प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए, ताकि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हुए संतुलित जीवन जिया जा सके। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम ''स्वस्थ उम्र बढ़ाने के लिए योग'' को अपनाकर समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक जागरूकता लाई जा सकती है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. श्याम भूतड़ा, डॉ. विकास सक्सेना, डॉ. विजयलता रस्तोगी, डॉ. गरिमा अरोरा, डॉ. मणिराम कुमार, डॉ. एम.पी. शर्मा, डॉ. जी.सी. मीणा, डॉ. महेंद्र खन्ना, डॉ. अमित यादव तथा निमिष दवे सहित अनेक चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर और नर्सिंग कर्मी उपस्थित रहे। योगाभ्यास का संचालन विवेकानंद केंद्र के प्रशिक्षक अंकुर प्रजापति एवं जितेंद्र जी ने कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास करवाते हुए नियमित योग के स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

''सेव एवरी ड्रॉप मिशन'' के तहत जल संरक्षण के लिए रोटरी का विशेष अभियान

जबलपुर. शाबाश इंडिया

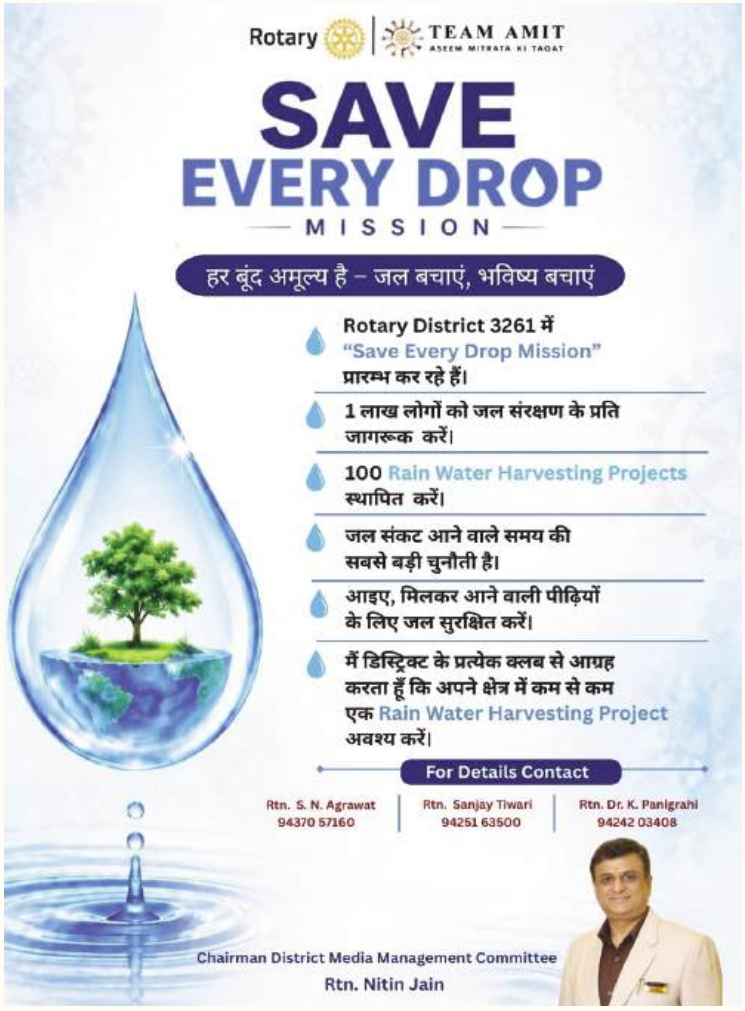

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अमित-पल्लवी जायसवाल ने डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत आने वाले सभी 100 रोटरी क्लबों के अध्यक्षों, सचिवों, असिस्टेंट गवर्नर्स एवं सिटी कोऑर्डिनेटर्स को पूरे वर्ष उत्कृष्ट सेवा कार्यों के सफल संचालन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान रोटरी वर्ष के समापन में अब केवल 14 दिन शेष हैं। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट द्वारा संचालित ''सेव एवरी ड्रॉप मिशन'' के अंतर्गत सभी क्लबों से अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम एक जल संरक्षण गतिविधि आयोजित करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत विद्यालयों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम स्तर पर जनजागरण अभियान तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग परियोजनाओं जैसी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को जल बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट के आगामी प्रांतपाल (2028-29) रोटे नवीन भवसार, डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट सदस्य रोटे अंजुल जैन, असिस्टेंट गवर्नर रोटे अंकुर महेश्वरी, रोटे अभिषेक केशरवानी, रोटे मयंक साहू, रोटे सौरभ माहेश्वरी, रोटे विनय अग्रवाल, सिटी कोऑर्डिनेटर भरत डागा एवं डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागृति पैदा करना है। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट का लक्ष्य एक लाख लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। आज किया गया प्रत्येक छोटा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और जल संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। रोटरी परिवार ने सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए सामूहिक संकल्प दोहराया–

''हर बूंद अमूल्य है, जल बचाएं–भविष्य बचाएं।''

रोटे नितिन जैन: डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3261

जैन परिवार परिचय पुस्तिका का हुआ विमोचन

समाज में आपसी मेलजोल और वैवाहिक संबंधों को मजबूत करेगी परिचय पुस्तिका : विनोद जैन कोटखावदा

जयपुर. शाबाश इंडिया। तारों की कूट स्थित सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से जुड़े जैन परिवारों की ''जैन परिवार परिचय पुस्तिका'' का विमोचन भगवान शांतिनाथ के जयकारों के बीच सादगीपूर्ण समारोह में किया गया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, मंदिर समिति के संरक्षक एवं परिचय पुस्तिका के संपादक नाभिराय जैन सौगानी तथा मंदिर समिति के अध्यक्ष नवीन छाबड़ा ने संयुक्त रूप से पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर विनोद जैन कोटखावदा ने कहा कि यह परिचय पुस्तिका समाजोपयोगी होने के साथ-साथ आपसी मेलजोल और समन्वय को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इसमें उपलब्ध जानकारी परिवारों के बीच संवाद बढ़ाने के साथ वैवाहिक संबंधों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में ब्रह्मचारी जिनेश भैया, मंत्री धनेश सेठी, पूर्व अध्यक्ष ताराचंद चांदवाड़, सुशील झांझरी, शिखरचंद जैन, सुरेश कोठ्यारी, सुरेश बाकलीवाल, पी.सी. जैन, धनराज जैन, राजेंद्र जैन, महिला मंडल की अध्यक्ष सुधा जैन (अलवर), संरक्षक लता बाकलीवाल, संयुक्त मंत्री दीपिका जैन कोटखावदा, कोषाध्यक्ष मीना सेठी, रेखा पापड़ीवाल, मिथलेश जैन सहित मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के कोषाध्यक्ष सीए नरेंद्र जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश पापड़ीवाल, उपाध्यक्ष रितेश छाबड़ा, संयुक्त मंत्री सीए राजन गोधा, सह-कोषाध्यक्ष रमेश लुहाड़िया एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

योग एवं स्वास्थ्य सेवा शिविर आयोजित, डॉ. भावना सिंघल का हुआ सम्मान

महिला स्वास्थ्य जागरूकता पर दिया प्रेरक व्याख्यान, 'अतिथि सम्मान' से किया सम्मानित

नसीराबाद. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, नसीराबाद के तत्वावधान में योग एवं स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. भावना सिंघल को 'अतिथि सम्मान' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. भावना सिंघल ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता (मेनस्ट्रुअल हाइजीन), सर्वाइकल कैंसर की समय पर जांच एवं बचाव, संतुलित पोषण तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला होती है, इसलिए प्रत्येक महिला को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित आहार अपनाने तथा स्वच्छता संबंधी आदतों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उनके व्याख्यान को उपस्थित महिलाओं ने अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। महिला स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान एवं प्रभावी मार्गदर्शन की सराहना करते हुए महासमिति की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महासमिति की अध्यक्ष प्रीति सेठी, मंत्री दीपा बिलाला, लाड़ देवी बडजात्या, ममता बिलाला, सुशीला बडजात्या, चंचल देवी बडजात्या सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और डॉ. भावना सिंघल के कार्यों की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया।

संस्कृति युवा संस्था का 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटा

मेलबर्न, सिडनी और गोल्ड कोस्ट में भारतीय संस्कृति का किया प्रचार-प्रसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

संस्कृति युवा संस्था का 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया के सफल सांस्कृतिक एवं सम्मान यात्रा कार्यक्रम के बाद भारत लौट आया। प्रतिनिधिमंडल ने मेलबर्न, सिडनी और गोल्ड कोस्ट में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों के प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा एवं सचिव सुनील जैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित विक्टोरिया हॉल में आयोजित भारत गौरव अवार्ड समारोह में भाग लिया। संस्था के उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि समारोह के दौरान भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में पंडित दिनेश शर्मा, सतीश शर्मा, योगाचार्य ढाकाराम, रोटेरियन राकेश मालपुरा तथा पद्मश्री रामकिशोर डेरेवाला सहित अन्य गणमान्य सदस्य शामिल रहे। यात्रा के दौरान योगाचार्य ढाकाराम ने ऑस्ट्रेलिया में योग के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के महत्व को भी व्यापक रूप से प्रचारित किया। संस्था के महासचिव ने बताया कि संस्कृति युवा संस्था अब तक 40 देशों में सांस्कृतिक यात्राओं का आयोजन कर चुकी है, जिनमें फ्रांस, अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे देश भी शामिल हैं। वर्तमान में संस्था की 18 देशों में सक्रिय इकाइयाँ कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि संस्था प्रतिवर्ष भारत गौरव अवार्ड का आयोजन करती है। यह संस्था के लिए गौरव का विषय है कि इस सम्मान समारोह का आयोजन यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के संसद भवनों में भी किया जा चुका है। इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजनों का निरंतर संचालन करने वाली संस्था देश की अग्रणी संस्थाओं में शामिल है। संस्था का उद्देश्य विश्वभर में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और मानवीय मूल्यों का प्रसार करते हुए भारत की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ करना है। ऑस्ट्रेलिया यात्रा की सफलता के बाद प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को और व्यापक स्तर पर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

जिसने झुकना नहीं सीखा : महाराणा प्रताप की अमर गाथा

सत्य भूषण शर्मा, उदयपुर (राजस्थान)

इतिहास केवल तिथियों, युद्धों और राजाओं का विवरण नहीं होता, बल्कि वह उन व्यक्तित्वों की जीवंत स्मृति भी होता है जिन्होंने अपने आदर्शों से युगों को दिशा दी। भारतीय इतिहास में महाराणा प्रताप ऐसा ही एक नाम हैं, जो साहस, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक बन चुके हैं। वे केवल मेवाड़ के शासक नहीं थे, बल्कि उस आत्मगौरव के प्रतिनिधि थे जिसने विदेशी सत्ता के समक्ष समर्पण के बजाय संघर्ष का मार्ग चुना। प्रताप जयंती हमें उस महानायक को स्मरण करने का अवसर देती है, जिसने यह सिद्ध किया कि पराजय और आत्मसमर्पण एक-दूसरे के पर्याय नहीं हैं। सोलहवीं शताब्दी का भारत मुगल साम्राज्य के विस्तार का साक्षी बन रहा था। एक-एक कर अनेक रियासतें अकबर के अधीन आती जा रही थीं और कई शासकों ने राजनीतिक तथा आर्थिक कारणों से मुगलों से समझौते कर लिए थे। ऐसे समय में मेवाड़ के महाराणा प्रताप ने स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानते हुए स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी परिस्थिति में अपने राज्य और स्वाभिमान का सौदा स्वीकार नहीं करेंगे। 9 मई 1540 को कुंभलगढ़ दुर्ग में जन्मे महाराणा प्रताप बचपन से ही निर्भीक, तेजस्वी और स्वाभिमानी थे। उनके व्यक्तित्व में राजपूती शौर्य और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम स्पष्ट झलकता था। युवावस्था तक आते-आते उन्होंने युद्धकला, प्रशासन और नेतृत्व में ऐसी दक्षता प्राप्त कर ली थी, जिसने उन्हें अपने समय का एक असाधारण योद्धा बना दिया। महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों की खुली पुस्तक है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती मुगल सम्राट अकबर की विशाल शक्ति थी। अकबर चाहता था

कि मेवाड़ भी उसके अधीन हो जाए, किंतु प्रताप के लिए यह केवल राजनीतिक प्रश्न नहीं था, बल्कि सम्मान, अस्मिता और स्वतंत्रता का विषय था। उन्होंने सत्ता की सुविधाओं के बजाय संघर्ष का कठिन मार्ग चुना। 18 जून 1576 को हल्दीघाटी की धरती पर इतिहास का एक ऐसा अध्याय लिखा गया, जिसे सदियाँ बीत जाने के बाद भी गर्व के साथ याद किया जाता है। विशाल मुगल सेना के सामने सीमित संसाधनों वाली मेवाड़ी सेना डटकर खड़ी थी और महाराणा प्रताप स्वयं अग्रिम पंक्ति में नेतृत्व कर रहे थे। उनके अद्वितीय पराक्रम और रणकौशल ने उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे प्रेरणादायी योद्धाओं में स्थान दिलाया। लोककथाओं और ऐतिहासिक परंपराओं में उनके युद्ध कौशल तथा शौर्य का विशेष उल्लेख मिलता है। यद्यपि हल्दीघाटी का युद्ध तत्कालीन दृष्टि से निर्णायक परिणाम तक नहीं पहुंच सका, फिर भी इस संघर्ष ने महाराणा प्रताप को अमर बना दिया। उन्होंने संसार को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान किसी भी साम्राज्य की शक्ति से अधिक मूल्यवान होते हैं। यही कारण है कि यह युद्ध आज भी त्याग, साहस और आत्मसम्मान का प्रतीक माना जाता है। महाराणा प्रताप की वीरता के साथ-साथ उनके प्रिय अश्व चेतक की निष्ठा भी भारतीय जनमानस में विशेष स्थान रखती है। जनश्रुतियों के अनुसार युद्ध में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद चेतक ने अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और अंततः अपने प्राण न्योछावर कर दिए। स्वामीभक्ति और बलिदान की यह कथा आज भी लोगों को भावुक कर देती है। युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के सामने अनेक कठिनाइयाँ आईं। राजमहलों के स्थान पर जंगल और पहाड़ उनका आश्रय बने। लोककथाओं में वर्णित है कि विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को घोर अभावों का सामना करना पड़ा, किंतु इन कष्टों ने उनके संकल्प को कभी कमजोर नहीं किया। उन्होंने संघर्ष जारी रखा और समय के साथ मेवाड़ के अनेक क्षेत्रों पर पुनः अधिकार स्थापित करने में सफलता प्राप्त की। महाराणा प्रताप की महानता केवल उनके युद्ध कौशल तक सीमित नहीं थी। वे न्यायप्रिय, प्रजावत्सल और दूरदर्शी शासक थे। उन्होंने कभी निजी स्वार्थ को राष्ट्रहित से ऊपर नहीं रखा। यही कारण है कि उनकी प्रजा उन्हें केवल राजा नहीं, बल्कि अपना संरक्षक और प्रेरणास्रोत मानती थी। 19 जनवरी 1597 को चावंड में इस महान योद्धा का देहावसान हुआ। प्रचलित मान्यता के अनुसार शिकार के दौरान धनुष की प्रत्यंचा खींचते समय लगी आंतरिक चोट उनके निधन का कारण बनी। किंतु अंतिम समय तक उनके मन में केवल मेवाड़ और उसकी स्वतंत्रता की चिंता थी। उन्होंने अपने उत्तराधिकारियों को यह संदेश दिया कि मेवाड़ की आन, बान और शान पर कभी आंच नहीं आनी चाहिए। आज जब सफलता को प्रायः धन और पद से मापा जाता है, तब महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची महानता सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा में निहित होती है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सम्मान और स्वतंत्रता के लिए किया गया संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, आत्मसम्मान और अदम्य संकल्प का जीवंत उदाहरण है। प्रताप जयंती केवल एक महापुरुष का जन्मोत्सव नहीं, बल्कि उन मूल्यों का उत्सव है जो किसी भी राष्ट्र की आत्मा होते हैं। महाराणा प्रताप का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव यह प्रेरणा देता रहेगा कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में स्वाभिमान और देशप्रेम जीवित है तो कोई भी शक्ति हमें झुका नहीं सकती। वास्तव में, महाराणा प्रताप केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि भारत की आत्मा में बसने वाला वह अमर स्वाभिमान हैं, जिसने झुकना कभी नहीं सीखा।

भाला

चीर के शत्रु का सीना, साहस का प्रतिमान चला,
अंगार उगलता पग-पग पर, राणा का स्वाभिमान चला।

जिसे हाथ में धर राणा, यमराज भयंकर लगते थे,
वह चंद्रहास-सा चलता तो, दुश्मन के शीश बिखरते थे।
बन खप्पर-काली टूट पड़ा, अरि-दल का रक्त बहाने को,
वह चला काल बन समर में, ज्यों गांडीव से अग्निबाण चला।
अंगार उगलता पग-पग पर, राणा का स्वाभिमान चला।

जिसके ललाट को महाराणा, निज हाथों से सहलाते थे,
और वज्र-सरीखी उसकी काया, खुद फौलाद चलाते थे।
अकबर की खींची तलवारों का पानी-पानी करने को,
फिर दहल गया भूधर भी जब, बिजली-सा वह तूफान चला।
अंगार उगलता पग-पग पर, राणा का स्वाभिमान चला।

हल्दीघाटी की रणभूमि में, बनकर लावा फूट पड़ा,
वह चला जिधर, थी विजय उधर, अंबर से तारा टूट पड़ा।
थीं दसों दिशाएँ मौन खड़ी, दिग्पाल सभी करते जय-जय,
ज्यों मुगलों की गर्वित लंका में, प्रज्वलित हनुमान चला।
अंगार उगलता पग-पग पर, राणा का स्वाभिमान चला।

जब पलभर में ही चेतक फिर, गज-मस्तक तक चढ़ आया था,
जब मातृभूमि की खातिर, सबने बढ़कर कर्ज चुकाया था।
तब कायरता ने हौदे में छिप, अपनी जान बचाई थी,
इतिहास अमर करने को जब, मेवाड़ धरा की शान चला।
अंगार उगलता पग-पग पर, राणा का स्वाभिमान चला।

स्वरचित :
लोकेश देवपुरा